



अनुक्रमणिका

पृ.सं.	शीर्षक
01	महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष
02	वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला
02	विदेश दौरा
03	कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें
05	प्रशिक्षण कार्यक्रम
07	आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना
08	विविध
08	घोषित प्रजातियां
09	पुरस्कार
09	प्रकाशन
09	परामर्शी
09	मानव संसाधन समाचार

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान (व.अ.सं.), देहरादून:

- बन ओक वृक्षों के नाशीकीटों को एकत्रित कर उनका प्रयोगशाला में पालन किया गया। बन एवं मोरु बांस के 8 नाशीकीटों (लेपीडोप्टेरा की 5 प्रजातियां, सिरमबीसिड छिद्रक की 2 प्रजातियां तथा बीज नाशीकीट की 1 प्रजाति) तथा प्रयोगशाला में इनसे निकले 3 परजीव्यामों के जीवन चक्र पर प्रयोग किये गये। कीट नमूनों को फोटोग्राफ के अलावा उनको परिरक्षित, चिन्हित किया गया और प्रजाति/कुल स्तर तक पहचान की गई। पश्चिम हिमालयी बाँज के नाशीकीटों के आंकड़ा-भंडार को भी अद्यतन किया गया।
- छोटे कीटों का डिजिटलीकरण: हाईमेनोप्टेरा एवं डिप्टेरा की 130 प्रजातियों को एस. एम.जेड. स्टीरिया सूक्ष्मदर्शी पर ऑटोमॉटेज 3-डी चित्रण प्रणाली लगाकर डिजिटलीकृत किया गया। प्रत्येक प्रजाति की फोटो उस प्रजाति की एन.एफ.आई. सी. में पंजीकृत अनुवृद्धि के आधार पर नामांकित फोल्डर में रखे गए। फोटोग्राफ किये गये कीट का रिकार्ड अभिलिखित किया गया तथा भविष्य के संदर्भ हेतु एक

सफेद पेपर डिस्क के साथ चिन्हित किया गया। ट्रे में स्लाइडों का डिजिटलीकरण: तीन बक्सों में 100 ट्रे का छायाचित्रण किया गया। एन.एफ.आई.सी. आकड़ा आधार प्रारूप अद्यतनीकृत किया गया। इनसाथरिड्स की दो दुर्लभ प्रजातियों *एनिसेटस* स्प. व *माइक्रोटेरिस इंडिक्स* की पहचान की गई।

- मुनस्यारी के वनों में पायी जाने वाले *बेटुला यूटिलिस* को उसकी छाल पर उपलब्ध ट्रिटरेपेनोइड मात्रा (टी.टी.सी.) के आधार पर पहली बार चिन्हित किया गया।
- *यूकेलिप्टस* संकर से पूर्व में पृथक किये हुए छाल एवं क्षीपित पत्तियों से तथा *डलबर्जिया सिस्सू* (शीशम) की वृक्ष संधियों एवं बुरादा जिन्होंने कृत्रिम परिवेशीय प्रतिउपचारक तथा एल्फा ग्लूकोशिडाई निषेधात्मक किया प्रदर्शित की थी, उनका डाएलान HP20 द्वारा अंश विभाजित किया गया तथा फिनोलिक्स समृद्ध अंशों को उनके LC-MS विश्लेषण हेतु पृथक किया गया।
- देहरादून से *टमिनिकेलिआ अलाटा* के पत्रक एकत्र किए गये तथा प्रसंस्करण के बाद, जल को विलायक के रूप में

प्रयुक्त कर नमूनों से डाई निष्काषित किया गया। निष्काषित डाई को रेशम, ऊन व सूती कपड़ों पर प्रयुक्त किया जिसने प्रयुक्त वस्त्र पर विभिन्न रंग उत्पन्न किये।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (शु.व.अ.स.) जोधपुर

- इंदिरा गाँधी नहर परियोजना (आई.जी.एन.पी.) से *एकेसिया निलोटिका*, *यूकेलिप्टस कैमलडूयलनिस*, *एकेसिया टारटिलिस* व *डलबर्जिया सिस्सू* के रोपणियों से एकत्रित मृदा के भौतिक-रसायनिक गुणों से pH की क्षारीय प्रवर्ति 7.65 से लेकर 8.55 प्रकट हुई। *अकेसिया टारटिलिस* के रोपणों में जैवीय कार्बन का स्तर 0.23% से 0.41% अधिक होता है। रोपण क्षेत्र से बाहर की मृदा की तुलना पर, मृदा जैवीय कार्बन तथा फॉस्फोरस मात्रा सभी रोपणों में अधिक थी। *ई. कैमलडूयलनिस* और *डी. सिस्सू* रोपणों में विद्युत चालकता में वृद्धि देखी गई।
- पत्रक संख्या के विभिन्न आधारों पर तनों को नवीन कोपलों के जड़न संभावना क्षमता की जांच की गई। नीम में

13 पत्रक चरणों में अधिकतम जड़न (41.25%), उसके बाद 11 पत्रक चरणों में (24.7%) देखा गया। जबकि परिपक्व काट ने मात्र 1% जड़न प्रदर्शित किया।

- बांस *शिजोस्टेस्यम ड्यूलोला* में सहायक कोपल अंतराल प्राप्त किया गया। 5.0 मिला ग्रा./एल.बी.ए.पी. के साथ पूरक एम.एस. माध्यम से एक सहायक कोपल से तीन से चार कोपले उत्पन्न की गई।
- *लेपटडेनिया रेटियूलाटा* में अपात्रे कोपल बहुगुणन का मानकीकरण किया गया। अपरिपक्व बीज, पत्तियों तथा इंटरनोड से कॉलस प्राप्त किया गया जिसका बहुगुणन किया गया और जीवोत्पत्ति व सोमेटिक इम्ब्रेयोजैन्सिस प्राप्त किए गए।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (हि.व.अ.सं.) शिमला

- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (हि.व.अ.सं.) शिमला, ने चिलोजा देवदार वनों से मायक्रोराइजल संघों के अध्ययन हेतु 50 वृहद-कवकों के नमूने एकत्र किया। अध्ययनों ने यह प्रकट किया कि एकत्रित किये गये नमूने 13 जेनेरा, 22 प्रजातियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। *स्कलेरोडार्मा पोलिरिजम* को इक्टो-माइक्रोराइजल चिलोजा देवदार का सहयोगी के रूप में दर्ज किया गया जिसका प्रयोगशाला परिस्थितियों में बहुगुणन किया गया। *स्केलेरोडार्मा पोजीरीजम* में कृत्रिम संरोपणों का आकलन भी पौधालय परिस्थितियों में किया गया। बीजों की तुलना करने पर वह विकास प्राचलों का पालन करते दिखे। यह भी देखा गया कि संरोपित बीजों की राइजोस्फेयर मृदा में फास्फोरस मात्रा में 400 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई।

वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला

संस्थान	प्रतिभागी / आयोजन	समयावधि	स्थान
वृ.अ.व.प्र.स., कोयम्बटूर	कृषि आय वृद्धि हेतु वृक्षों की कृषि	16 फरवरी 2018	के वी के पथरापट्टी धर्मपुरी
व.उ.सं., रांची	किसान मेला सह-कृषि-मशीनरी प्रदर्शनी-2018	16 फरवरी 2018	नमकुम, रांची



वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने किसान मेला-सह-कृषि मशीनरी प्रदर्शनी 2018 में प्रतिभाग किया।

विदेश दौरे:

अधिकारी का नाम	संस्थान	दौरे का प्रयोजन	समयावधि	स्थान
डॉ. के.के. पांडे, वैज्ञानिक-जी	का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	यू.एन.ई.पी.-पर्यावरण प्रभाव आकलन पैनल (ई.ई.ए.पी.)	14-20 फरवरी 2018	मलंगा विश्वविद्यालय, स्पेन
डॉ. आर.एस.सी. जयराज, निदेशक, व.व.अ.सं.	व.व.अ.सं. जोरहाट	संवहनीय विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) एवं राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एन.डी.सी.) के समर्थन में रेड्ड+ की भूमिका	21-22 फरवरी 2018	येजिन, म्यांमार

कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें:

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून			
1.	9वां निदेशक सम्मलेन	26 फरवरी 2018	भा.वा.अ.शि.प. के सभी उप महानिदेशक, निदेशक (आई.सी.), सहायक महानिदेशक तथा सभी भा.वा.अ.शि.प., संस्थानों के निदेशक
2.	18वीं अनुसंधान नीति समिति	27-28 फरवरी 2018	विश्व विद्यालय, गैर सरकारी संगठन, कृषक एवं उद्योग



भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून में 9वां निदेशक सम्मलेन



भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून में 18वीं अनुसंधान नीति समिति बैठक

वन अनुसंधान संस्थान देहरादून

3.	युवाओं के लिए रोजगार सृजन हेतु वानिकी प्रौद्योगिकियों की संभाव्यताएं	1 फरवरी 2018	उत्तराखंड एवं कर्नाटक राज्यों के नेहरू युवा केन्द्र के 87 छात्र
----	--	--------------	---



वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में युवाओं के लिए रोजगार सृजन हेतु वानिकी प्रौद्योगिकियों की संभाव्यताएं पर कार्यशाला

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलुरु

4.	काष्ठ: संवहनीय विकास हेतु एक अग्रिम पथ	9 फरवरी 2018	विभिन्न उद्योगों, विश्वविद्यालयों एवं सरकारी संस्थानों के 80 प्रतिनिधि
----	--	--------------	--

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

5.	कृषि वानिकी के पर्यावरणीय एवं आर्थिक कार्य	15 फरवरी 2018	-
----	--	---------------	---

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- | | | | |
|----|---|------------------|---|
| 6. | जैव प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी-पौध प्रसार में नवीन प्रवृत्ति, आनुवांशिक सुधार एवं औद्योगिक अनुप्रयोग (पी.टी.सी.ए.-2018) | 16-18 फरवरी 2018 | शोधकर्ता, वरिष्ठ प्राध्यापक, पी.एच.डी. अध्येता एवं कर्मचारी |
|----|---|------------------|---|



शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में जैव प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी-पौध प्रसार नवीन प्रवृत्तियां आनुवांशिक सुधार एवं औद्योगिक अनुप्रयोग (पी.टी.सी.ए.-2018)

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- | | | | |
|----|--------------------------------|---------------|---|
| 7. | वनाग्नि एवं प्रबंधन | 8 फरवरी 2018 | एफ एस आई देहरादून, हि.प्र. विश्वविद्यालय शिमला, एच पी एस एफ डी, व.अ.सं., देहरादून से विशेषज्ञ |
| 8. | अकाष्ठ वन उत्पादन संसाधन विकास | 23 फरवरी 2018 | - |

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- | | | | |
|-----|--|----------------|---|
| 9. | दुर्लभ, विलुप्त एवं संकटप्राय प्रजातियों के संरक्षण में आपिक्क जीव विज्ञान की भूमिका | 6 फरवरी 2018 | सभी अधिकारी/वैज्ञानिक/तकनीकी कर्मचारी/मंत्रालयी कार्मिक/अनुसंधान अध्येता इत्यादि |
| 10. | अनुसंधान सलाहकार समिति (आर.ए.सी.) | 8-9 फरवरी 2018 | सी.टी.आर. एंड टी.आई., पिस्का-नागरी, रांची झारखंड के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत के राज्य वन विभाग |



वन उत्पादकता संस्थान, रांची में दुर्लभ, विलुप्त व संकटप्राय प्रजातियों के संरक्षण में आपिक्क जीव विज्ञान की भूमिका पर कार्यशाला

प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून			
1.	जलवायु परिवर्तन एवं कार्बन शमन	19-23 फरवरी 2018	23 विज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद्
2.	उन्नत सांख्यिकी पद्धतियां ('आर' इत्यादि का प्रयोग)	19-23 फरवरी 2018	भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के 15 वैज्ञानिक



वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

3.	मृदा, पौध एवं जल विश्लेषण की उन्नत तकनीकियां	5-9 फरवरी 2018	अनुसंधान सहयोगी कार्मिक
----	--	----------------	-------------------------



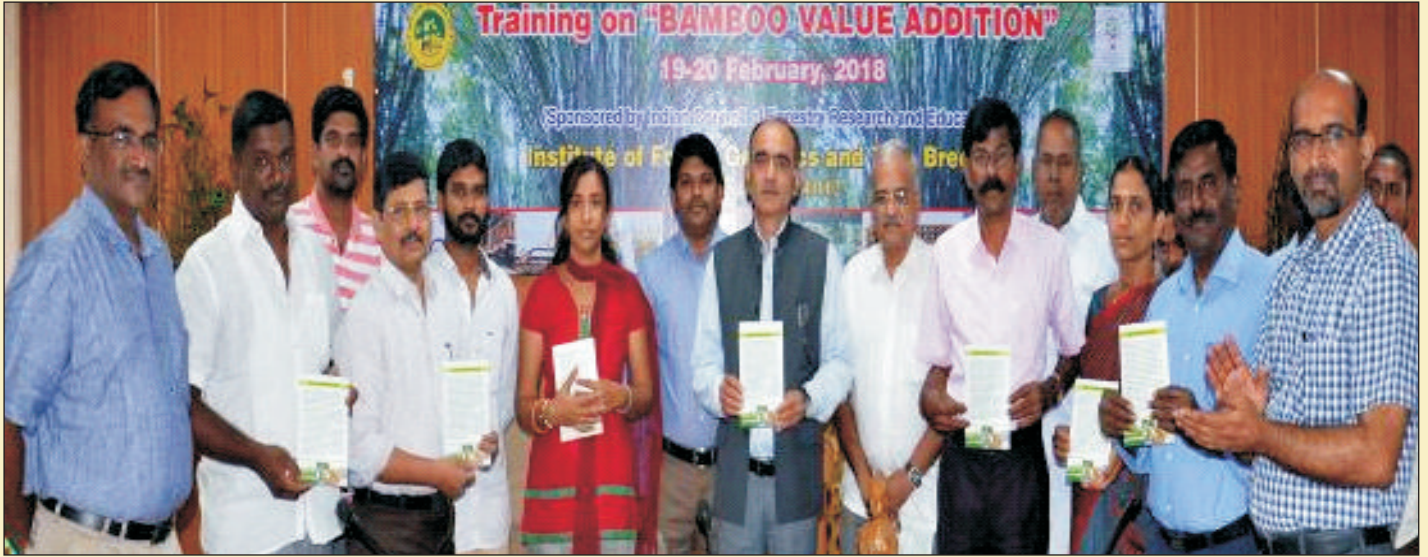
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में मृदा, पादप एवं जल विश्लेषण की उन्नत तकनीकियों पर प्रशिक्षण

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

4.	चंदनकाष्ठ-बीज प्रबंधन, पौधशाला एवं पौधरोपण प्रौद्योगिकी	19-23 फरवरी 2018	कृषक, उद्यमी, भूमि-विकासक जैसे 44 प्रतिभागी
----	---	------------------	---

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

5.	बांस मूल्य वर्धन	19-20 फरवरी 2018	बांस उत्पादक एवं उद्यमी
6.	जैवप्रौद्योगिकी तकनीकियां	29 जनवरी- 2 फरवरी 2018, 5-9 फरवरी 2018 12-16 फरवरी 2018	राजकीय विज्ञान कालेज, जबलपुर के.बी.एस.सी. जैव प्रौद्योगिकी के छात्र



वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर में बांस मूल्य वर्धन पर प्रशिक्षण

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

7.	अगर, पार्किया, बांस एवं लाख पर कौशल विकास प्रशिक्षण	7-8 फरवरी 2018	-
----	---	----------------	---

बांस एवं बेंत उच्च अनुसंधान केन्द्र, आईजॉल

8.	बांस का मूल्य वर्धन	3-7 फरवरी 2018	-
----	---------------------	----------------	---



वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट में अगर, पार्किया, बांस एवं लाख पर कौशल विकास प्रशिक्षण



बांस एवं बेंत उच्च अनुसंधान केन्द्र, आईजॉल में बांस मूल्य वर्धन पर प्रशिक्षण

वन आजीविका तथा विस्तार केन्द्र, अगरतला

9.	बांस कोपल (शूट) प्रसंस्करण तकनीकें तथा अकाष्ठ वन उत्पादों (एन.टी.एफ.पी.) में उद्यमशीलता विकास हेतु मूल्य वर्धन	19-21 फरवरी 2018	-
----	--	------------------	---

10.	पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल हेतु हर्बल गृह-बागों की रूप-रेखा तथा स्थापना	21-22 फरवरी 2018	-
11.	वानिकी आधारित आजीविका विकल्पों के विकास में सामुदायिक दृष्टिकोण	19-26 फरवरी 2018	असम वन विभाग के क्षेत्र कार्मिक और जे.एफ.एम.सी. सदस्य

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

12.	महत्वपूर्ण शीतोष्ण औषधीय पौधों की कृषि	21 फरवरी 2018	पंचायत सदस्य, निर्वाचित प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, मीडिया कर्मी, गैर सरकारी संगठन, सहकारी समितियों, महिला मंडलों शिक्षक, नेचर क्लबों के सदस्य तथा कुल्लू घाटी के प्रगतिशील कृषकों सहित 40 प्रतिभागी
-----	--	---------------	---



महत्वपूर्ण शीतोष्ण औषधीय पौधों के कृषिकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

आकाशवाणी / दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना:

कार्यक्रम शीर्षक	चैनल	दिनांक
वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
शीकूची माराधिन सगूपट्डी मुराईगलम पायनगलूम	आकाशवाणी, कोयम्बटूर	28 फरवरी 2018
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
उत्तराखण्ड की पादप विविधता एवं उसका संरक्षण	आकाशवाणी, देहरादून	07 फरवरी 2018
समृद्धि रेशम उत्पादकों के लिए लाभकारी उत्पाद		
शीसल रेशे के पर्यावरण अनुकूल विधि		14 फरवरी 2018
बाँस आधारित कृषि वानिकी की व्यापकता एवं उपयोग		16 फरवरी 2018
आज के संदर्भ में प्राकृतिक रंगों की प्रासंगिकता		21 फरवरी 2018
खरपतवार एवं अन्य सेलूलोज अपशिष्टों का हस्तनिर्मित कागज बनाने में उपयोग		

विविध:

संस्थान	विशेष दिवस / विषयवस्तु	समयावधि
व.अ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	विश्व आर्द्रभूमि दिवस	02 फरवरी 2018
उ.व.अ.सं., जबलपुर	प्रकृति, परिवर्तन और हम	16 फरवरी 2018
व.अ.सं., देहरादून	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी 2018
व.व.अ.सं., जोरहाट	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी 2018
	स्वच्छ भारत अभियान एवं स्वच्छ पखवाड़ा	1,8 एवं 22 फरवरी 2018
बां.बे.उ.अ.क्रे., आइजॉल	स्वच्छ भारत अभियान	15 और 28 फरवरी 2018



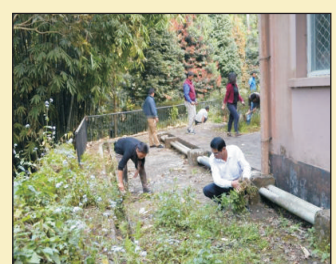
व.अ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में विश्व आर्द्रभूमि दिवस



व.व.अ.सं., जोरहाट में, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस



व.स.अ.सं., जोरहाट में स्वच्छ भारत अभियान



बां.बे.उ.अ.क्रे., आइजॉल में स्वच्छ भारत अभियान

घोषित प्रजातियां:

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान कोयम्बटूर: वाणिज्यिक उपयोग हेतु कैसेरियाना कृतकों का अविशिष्ट आज़्ञापत्र:

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान (व.अ.वृ.प.सं.) ने अब तक कैसेरियाना तथा यूकेलिप्टिस के 30 कृतक विकसित किये हैं जिनमें तीव्र विकास, पवन-सहनशीलता, अनावृष्टि प्रतिरोध, कीट सहिष्णुता तथा सोडिक मृदा में उगने की क्षमता जैसे गुण हैं। नये कृतक पौधरोपण क्षेत्र तथा कृषि पद्धतियों के आधार पर वर्तमान में रोपित मानक कृतक की तुलना में 25 से 30 प्रतिशत अधिक लुगदी काष्ठ उत्पादन करने में सक्षम हैं। वृहत अनुकूलन, तीव्र विकास कीट सहिष्णुता तथा कृतकों की समान वृद्धि से कृषकों को भूमि की अधिकतम क्षमता दोहन में मदद मिली है तथा कागज उद्योगों को कच्चे माल की उपलब्धता में भी वृद्धि हुई है। इन कृतकों को कृषकों एवं वृक्ष उत्पादकों को उपलब्ध

कराने हेतु, व.अ.वृ.प.स. ने कृतकों के वाणिज्यिक उत्पादन एवं नये कृतकों की आपूर्ति हेतु 6 गैर अविशिष्ट आज़्ञापत्र कागज उद्योगों एवं निजी पौधालय संचालकों को प्रदत्त किए हैं। कैसेरियाना के दो कृतकों आई.एफ.जी.टी.बी.-सी.एच.-1 तथा आई.एफ.जी.टी.बी.-सी. एच.-2 के वाणिज्यिक प्रसार हेतु सातवाँ अविशिष्ट आज़्ञापत्र श्रीशायी पेपर एण्ड बोर्ड लि. (एस पी बी), इटोड, तमिलनाडु को इसके कृषि वानिकी कार्यक्रम में परिनियोजन हेतु निर्गत किया गया है। अविशिष्ट आज़्ञापन समझौता दिनांक 21 फरवरी 2018 को डॉ. मोहित गैरा, भा.व.से. निदेशक वृ.आ.वृ.प्र.सं. और श्री एस. वेलुमुरुगन, प्रबंधक (वन) एस.पी.बी. ने डॉ. एस. मुरुगेशन, समूह समन्वयक (अनुसंधान) और डॉ. ए. निकोडेमस, प्रमुख, आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन शाखा की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। वृ.आ.वृ.प्र.सं., ने सात विभिन्न संस्थानों को जारी किये गये आज़्ञापत्रों के माध्यम से रु. 20,00,000 /- की आज़्ञा पत्र राशि साधित की।



व.आ.वृ.प्र.सं. में उत्कृष्ट विशेषताओं जैसे तीव्र विकास, पवन-सहनशीलता, सूखा प्रतिरोध गुणों वाले 30 कृतकों को जारी किया



पुरस्कार:

डॉ. जान्हवी मिश्रा रावत, युवा वैज्ञानिक, व.अ.स. देहरादून को उनके पौध जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान करने पर वर्ष 2017 के लिये विशिष्ट महिला वैज्ञानिक का पुरस्कार दिनांक 23 फरवरी 2018 को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड सरकार से प्राप्त किया।



डॉ. जान्हवी मिश्रा रावत, युवा वैज्ञानिक व.अ.स., देहरादून को वर्ष 2017 के लिए महिला वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया।



प्रकाशन:

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान (व.आ.वृ.प्र.सं.) कोयम्बटूर ने वृक्ष उत्पादक मेला 2018 के दौरान "मारा सगुपडी" (तमिल)-वृक्ष कृषि पद्धति, नामक पुस्तक का विमोचन किया।

मानव संसाधन समाचार:

नियुक्ति

नियुक्ति	दिनांक
डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, व.उ.सं., रांची	05.02.2018
डॉ. मोहित गेरा, भा.व.से., निदेशक व.आ.वृ.प्र.सं. कोयम्बटूर	12.02.2018
डॉ. जी. राजेस्वर राव, निदेशक, ऊ.व.अ.सं., जबलपुर	22.02.2018

सेवानिवृत्त:

अधिकारी का नाम	सेवा-निवृत्त की तिथि
श्री कृष्ण कुमार, अनुभाग अधिकारी, व.अ.स. देहरादून	28.02.2018
श्री के. के. गौण, अनुभाग अधिकारी, उ.व.अ.सं., जबलपुर	28.02.2018

संरक्षक:

डॉ. सुरेश गौरोला, महानिदेशक

संपादक मंडल:

श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. (श्रीमती) शामिल कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग)

श्री रमाकांत मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), सदस्य

परामर्शी:

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

टिहरी हाइड्रो विकास निगम इंडिया लि; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि; कर्नाटक राज्य आधिकारिक प्राधिकरण, उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड; एन.टी.पी.सी.लि.; नोएडा; सी.एम.पी.डी.आई रांची; एन.एम.डी.सी.लि. हैदराबाद; द्वारा प्रदत्त 11 परामर्शी परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।

भा.वा.अ.शि.प. से प्रत्यावासन/कार्यमुक्ति:

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री अखिलेश कुमार शर्मा, डी.सी.एफ., उ.व.अ.सं., जबलपुर	फरवरी 2018
श्री प्रदीप भारद्वाज, डी.सी.एफ., हि.व.अ.सं., शिमला	19.02.2018

स्थानांतरण

अधिकारी का नाम	पुराना कर्तव्य स्थान	नवीन कर्तव्य स्थान
श्री पी. अरुलाजन, भा.व.से., डी.सी.एफ.	व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर	वृ.जै.सं. हैदराबाद
श्री अनिल वी.जान डी.सी.एफ.	व.जै.सं., हैदराबाद	व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्राकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों की अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।